2.3

2·3

परियोजना का नामः– जनपद चमोली में विधान सभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अर्न्तगत सिमली शेलेश्वर मोटर मार्ग का नव निर्माण

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट (प्रमाण–पत्र)

प्रारूप–6

प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनांक 25-02-2015 को प्रा.ख. लो.नि.वि. कर्णप्रयाग (एजेन्सी का नाम) के द्वारा जनपद चमोली के अर्न्तगत विधान सभा क्षेत्र कर्णप्रयाग में सिमली शेलेश्वर मोटर मार्ग का नव निर्माण/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग ओर से श्री ...जोशी... अनुभाग अधिकारी राजस्व विभाग की ओर से कुन्दन सिंह नेगी...... रा.उप निरीक्षक प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री मकान लाल कनिष्ठ अभियन्ता/ श्री मनवर सिंह चौहान अमीन अन्य दावेदारों की ओर से श्री ...दिगम्बर प्रसाद मैनखुरा .... तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती गीता देवी, कमला देवी के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखण के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/ समरेखणों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता परिस्थिति आवश्यकता आर्थिक मितव्ययता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखण /स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 1535 (मी.) नाप भूमि से 715 (मी.) सिविल भूमि, 1200 (मी.) वन पंचायत से..........नहीं............(मी.) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण /स्थल के चयन में कुल 1.075 है. नाप भूमि 0.500 है. सिविल भूमि, 0.840 है. वन पंचायत भूमि.....शून्य........है. आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल .... एवं .... है. मकडिस्पोजल भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखण पर / चुने गये स्थल पर लगभग .... वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होगें, जिनमें से –शून्य– वृक्ष बांज प्रजाति के प्रभावित होगें।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 1500 (मी.) नाप भूमि से 750 (मी.) सिविल भूमि से 1750 (मी.) वन पंचायत से ....शून्य..............(मी.)आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण / स्थल के चयन में कुल है. नाप भूमि ...शून्य.....है.......–..सिविल भूमि.....शून्य.....है. वन पंचायत भूमि .....शून्य.....है. आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें कुल 1.75 है. भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी इस समरेखण पर / चुने गये स्थल पर लगभग 200 वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होगें, जिनमें से – वृक्ष बांज प्रजाति के प्रभावित होगें।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपुयक्त स्थल/ समरेखण आरक्षित वन ......शून्य.....कक्षों से गुजरगा/मै स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन...शून्य..... है एवं इन कक्षों में ......शून्य.......प्रजाति के वन है। प्रभावित होने वाली नाप भूमि....शून्य......पर ....शून्य...... .प्रजाति के वन है एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर ...शून्य....प्रजाति के वन है, जिनका वर्तमान वन आच्छादन.....शून्य...है। चुने गये समरेखण का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान N-30°11' 806" E 79°13'241 है तथा स्थल ~~स्लेट~~ से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल नैनी है जिसका GPS मान N 30°11' 882" E 79° 12' 339" .... है।

चुने गये समरेखण /स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान N-30°11' 882, E 79°13' 151" .... है।

चयनित समरेखण में कुल 134 पौधों को अन्य स्थानान्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा।

चयनित उपयुक्त स्थल/ समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क / वन्य जीव अर्भ्यारहण्य का हिस्सा है/ नहीं है ।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा/ नहीं होगा।

इस समरेखण पर ~~झूला पुल~~ के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु खसरा नं. में हे. एवं ख.नं. में हे. भूमि स्थल उपयुक्त पाये गये है, जिनका GPS मान N-30°11'52.80" E-79°13'14.24 N-30°11'56.56" E 79°12'37.98" .... है।

अन्य आवश्यक विवरण मार्ग निर्माण ~~झूला पुल~~ निर्माण न्यूनतम सिविल भूमि ली गई है, इस प्रस्तावित वन क्षेत्र में 134 ~~321~~ वृक्ष प्रभावित हो रहे है, तथा निर्माण के समय उत्सर्जित मलवे का निस्तारण पुनः पुल निर्माण के समय उपयोग किया जायेगा।

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(प्रयोक्ता एजेन्सी)	(वन विभाग)	(राजस्व विभाग)	(अन्य दावेदार)	(जन प्रतिनिधि)
प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि
J.E				

नोटः– इस रिपोर्ट पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व ले ली प्राप्त कर ली जाये।

प्रधान ग्राम पंचायत नैनी, ह० गीता देवी, दि० 28/2/15, विकास खण्ड कर्णप्रयाग (चमोली)

वन क्षेत्राधिकारी

वन क्षेत्राधिकारी, नारायणबगड़ रेंज, अलकनन्दा भूमि संरक्षण वन प्रभाग गोपेश्वर, जिला चमोली

प्रभागीय वनाधिकारी, अलकनन्दा भूमि संरक्षण वन प्रभाग, गोपेश्वर

प्रधान ग्राम पंचायत कर्णप्रयाग, हस्ताक्षर कुसुमा देवी, दिनांक 02/03/2015